

214015

50903

50904

50905

50 903 - (विश्वेश्वरी स्तोत्र प्रदीपिका)

50 904 - (पञ्च स्तोत्र) -

(लघु स्तोत्र टीका संग्रह)

50 905 - (आनन्द बहिनी)

श्रीः

[illegible]

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

[illegible]

क भले भगवतः भित्तु भगवतः अद्रि विम भित्तु वड भगवतः ॥ उल्लं
 मः अद भुवु तिः क ति विर ॥ ह म ये भव ल व ल र ग व जी ति भा
 भा व व ड कः ॥ वि से धं उ म्भः भि व ड भ भा व वि से धं उ म्भः ॥ वि प्र
 र या भ नै म्भः ॥ व ह ति म प्र उ वि से कं ॥ वि ह ति म प्र उ वि से
 भु ति वि ति ॥ अ ह ति व ड भ नै म्भः वि तिः ॥ भ नै म्भः य म्भ वि से ध
 म्भ वि ति उ ह ति म प्र व प्र क म्भ उ ॥ य म्भः ॥ प्र म्भ म्भ म्भ य म्भ
 म्भ नै म्भः ॥ वि क रः ॥ वि जी ये प र वि जी य म्भ नै म्भः ॥ ली
 भि ति ॥ वि जी य प र वि जी य म्भ नै म्भः ॥ उ ति ॥ उ म्भ पि द भि व ड भि

श्री.
 २२

दकंगेलेपरिभिजुतमिडिद्वेएउभा॥ उरुभेवविमेषं पुरा
 कहुएएयभा॥ दकंगेलेविमराभिजुतमिडिद्वे॥ केलभंउदिद
 कंगेगगरभपुउ॥ सुतंविमरिउकंभविडि॥ द्वेउडिद्वेउ
 यंवीएभिडिभिजुमिडिडिपराभलभइइएय॥ एवविमराग
 इव॥ सुमिभंवीएललएयएवलेमीद्वेसुउवलेद्विगीयंइउ
 यद्वेयपीउवलेएयभा॥ किस्सभदभापदेभिडिगिडिविम
 धपिप्लेय॥ भददकंगभकंगुंवउउउडिमदभा॥ गीएइय
 भपिदकंगभकंगभयउभा॥ यषा॥ द्वेद्वेद्वेउएविमेषेए

उष

यः॥ मृतः मवत उहइपिविमेषेभि॥ मरुमृत उति विरुक्तं पमं॥
मृतमृलल एवतुं मिरभिल्ली करः॥ मरु उति विरुक्तं विमेष
मा॥ मरुमृत एवतुं उति मरु॥ उकरुत मृत एवतुं॥ एवतुं रल्लो
करुणैरुः मिदुः॥ दकरु मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत॥ एवतुं रल्लो
उति कु एवतुं मिदु मा॥ यदु कु मा॥ क उतुव उ कुल कु उव
मरुमृत विरुक्तं मिदु कुल मरुमृत मा॥ मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत
उतुमृत मरुमृत मरुमृत मा॥ उतुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत
मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत मरुमृत

श्री
२५

ਮਨ:॥ ੨੬ ॥ ਬਲਕੁ ਤਿਸ ਮਨਾ ॥ ਮਾ ॥ ਤੇ ੧ ॥ ਭ: ॥ ਭਤਿ ਵਿਸਮ ਜੰਪ ਮ
ਅਧਾਤੋ ਲੋਧ ਮਾ ॥ ਸਥ ਕਿ ਮੇਖਾ ਤਿਪਾ ॥ ਤਤ ਤਿਪਾ ਕੇਰੀ ॥ ਧ
ਤਾਖੇ ਸਾਮੁ ਤਿਪਾ ਮਾ ਤਿਸੁ ਭੁਭੁ: ॥ ਕੁਤ: ॥ ਫੈਲੇ ਕੁਤ ਮਾਂ ਮਤੁ ਤਿ
ਪਾ ਕਰ ਸੰਮਦਤ ॥ ਪਰ ਮੁਏ ॥ ਮਵਾਤੁ ਧਤੁ ਮਾਨਿ ਏ ਪਾਏ ਧਤੁ
ਸਵਾਤ ਮੁਧੁ ਵਲ ਮਿਤਿ ਪਾਏ ਗਮਤੁ ਮਮਾ ॥ ਪਲ ਮਤੁ ਸਾਮੁ ਤਿ
ਤਿਪਾ ਤਿਪਾ ਤਿਸੁ ਧਤੁ ॥ ਤਤੁ ਮਾ ਗਰ ਮਾਨਿ ਤਾ ਧਾਸਾ ॥ ਪਤੁ ਤੀਲੁ
ਰੋਮਿ ਪਾਏ ਕੇਰੀ ਧ ਕੁਥਿ ਤਾ ਧਾਸਾ ॥ ਵਾਗੁ ਵਪੁ ਮਵੀ ਏ ਤਿਤੀ ਧ
ਤੁ ਮਮਾ ਧਾਸਾ ॥ ਕੁਤੀ ਧਾਸਾ ਮਾਨੁ ਤਤੁ ਤਿਸੁ ਮਾ ਮੁਤੁ ਵਪੁ: ॥ ਪਥ

देवीमभाष्टाउनिहृदिप्रगैरवी॥ उडगधह॥ पधमभूलड
 विहृगभादिप्रगैरवी उडुषमिमभष्टुते॥ भंड॥ रदवेष्टाउ
 दुपप्रकगमभ्रुयः परभानास॥ उषागपीयमंदितयामउ
 वेमेषणमसुषप्रगालेषपिलेषपि॥ मिहृतेपस्रगैमवैकुण्ठ
 दुउकेउषा॥ उभ्रुवाममल्लभ्रवष्टुकपरमसुमी॥ सेवसाभ्रुप्रम
 उषमंदितभ्रुविकिःभ्रुगैरिहमि॥ भ्रुइह्रंप्रवहामिगुपुह्रं
 वभ्रुव॥ विमेषभ्रुवगतयेष्टाष्टाउगुमवकुतः उडउः कसिमिह्रं
 ह्रुगैरमि॥ कसिमभ्रुवकमता कसिमिह्रंभ्रुयकमता कसिमिह्रंभ्रु

श्री.
 ५०

एनकेमग॥कमिमुडिठेमग॥कमिहुवरुमदुद्रप्रकरेधदिप्र
गकमिदिप्ररुठेवरी॥कमिनिडिदिप्ररुठेवरीकमिदिप्ररुठेवरी॥
कमिदिप्रगललिङ्ग॥कमिमपरे॥रअकमिदिप्रवेदुमुउ॥
मचप्रकरेवरदलमठगवडी॥रगुरेभ्रममेमउरदेवःमहुर
पुमः॥रकोलादुमभेयेगीनविहृदिप्रगापरा॥रकातेःपुमभंमरी
लरमातेयेमभेलयः॥रअलादुमभेयेगीनविहृदिप्रगापरा॥
रगदुदुमभंभेयेवरदेमदुमभेविणिः॥रवीएदुमभंभेविनिविहृ
दिप्रगापरा॥मचरेप्रमममुप्रपांषांषांषविमेषउः॥मिहृउपांमद

ॐ श्री भवगापमभसुगी॥ शुभु शुभु पदे मप्र सभ पन एरु मत्रि
 य'दुल पितं पषरु षमुके हं एयभा॥ उम'दः दुल गुरुष॥ १
 शापेन विराभिद्विन्दे मेन विर'दुलभा॥ १ प्रणया विराभे'एभत्र
 भा'परक'मलि॥ १ ए'नेन विरा'द्विः र'दु'मेन विरा'णायः॥ १ र'द्विया
 व'लिउ'मे'दो'भ'इ'भा'परक'मलि॥ १ य'उ'न'भव'मेव'गु'दु'मे'क'उ'पु'म
 धिउ'गु'न'मि'रि'ति'प'ष'भव'उ'जः॥ १०॥ भ'इ'उ'न'उ'गी'ए'उ'भ'द॥
 य'भ'इ'इ'प्र'भी'ल'उ'उ'र'ल'भ'उ'उ'डि'ति'भ'द'वि'नी'व'गु'णी'ए'प'ष'म'भि
 उ'उ'व'भ'म'उ'भ'म'द'उ'व'य'भा॥ १॥ स'जिः'ज'इ'लि'नी'ति'वि'स'ए'न'र'दु

श्री
 + १

ਪਾਗਰ ਕੁੰਡੁ ਮਾ ਏਕੇ ਕੁੰਡੁ ਪਰ: ॥ ਸਤਿ ਨਾਮੁ ਸਤਿ ਨਾਮੁ ਸਤਿ ਨਾਮੁ ॥ ॥
ਏਕਾ ॥ ਦੇਹ ਗਾਵਤਿ ਤਿ ਪ੍ਰਗਟੁ ਮਤੁ ॥ ਪਦਮ ਏਕਾ ਦਵੰ ਮਵੰ ॥ ३
ਪ੍ਰਮੀਲਤਾ ਤਤਲ ਮਤੁ ਤੁ ਤਿ ਤਿ ਮਦਿ ਸਿਰੀ ॥ ਧਾ ਮਾ ३ ਪ੍ਰਸਮੇਤ ਰਵੰ ਗੁੰ
ਏਕਿ ਤਾ ਸੇ ਕੁੰ ਪ੍ਰਤਿ ਸਿਰੀ ॥ ਤੰ ਮਾ ३ ਤੇ ਵੰ ਏਕੁ ਮਤੁ ॥ ३ ਪ੍ਰਮੀ
ਲਤਾ ਤਤਲ ਕਲੇ ॥ ਪ੍ਰ ਪ੍ਰ ਏਕਾ ਲਿ ਮਿ ਤੇ ३ ਤੇ ਵੰ ਕ ਕੁ ਏਕਾ ਲਿ ਤੁ
ਏਕਾ ਤਤਲ: ॥ ਪ੍ਰ ਪ੍ਰ ਲ ਮਤ: ॥ ਪ੍ਰ ਮਾ ३ ਤੇ ਵੰ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮੁਖਾ ਮਤਿ ਤਿ ਪ੍ਰ
ਏਕਾ ਮਾ ३ ਮੁਖਾ ਮਤਿ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮਾ ३ ਤੇ ਵੰ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮੁਖਾ ਮਤਿ ਤਿ ਪ੍ਰ
ਏਕਾ ਮਤਿ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮਾ ३ ਤੇ ਵੰ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮੁਖਾ ਮਤਿ ਤਿ ਪ੍ਰ
ਏਕਾ ਮਤਿ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮਾ ३ ਤੇ ਵੰ ਤਤਲ ਗੁੰ ॥ ਪ੍ਰ ਮੁਖਾ ਮਤਿ ਤਿ ਪ੍ਰ

ਸ੍ਰੀ
੨੫

ਤਿਥੁ ਤੁਯੁ ॥ ਬਲੁ ਤੋ ਸ੍ਵਾਗਿਤੁ ਏਏ ਤੁਥੀ ਰਾ ਪਸੁ ਏ ਪੁਨੁ ਵਾਤਿ ਸਧਮਾ ॥
ਨੁ ਮੁ ਮੁ ਮੁ ਮੁ ਕਾਰਿ ਵਸੁ ਮਦਮਾ ਲੇ ਲੇ ॥ ਤਿਥੁ ਦੁ ਤੰ ਯੇ ਨਾ ਕੁ ਤਵ ਸਾਸ
ਪੀਦ ਵਸੇ ਵਿਚੁ ਵਿਰਾ ਪੁਕਾਰਮਾ ॥ ਤੁਥਾ ਪਿੰ ਪੂਰ ਮੇ ਵਸੇ ਵਿਤੁ ਰਮਾ ਲੇ ਤੁ
ਰਵਾ ਤੁ ਗੁਦੇ ਵਸ ਮੁਕਿ ਮਾਪ ਮਦੁ ਵਸ ਮੇ ਰਿਦ ਤਿਰ ਕੁ ਵਸ ॥ ॥
ਦੇਵ ਗੰ ॥ ਮੇਰੇ ਕਿਲਖਿ ਤੁ ਵਸ ਮਦਮਾ ॥ ॥ ਭਦ ਆਗਤਿ ਮੁ ਮੁ ਮੁ ਕੁ
ਰਿ ਸੁ ਬਦ ਕਾਰਿ ਵਸੁ ਪਸੁ ਤੰ ਮਦਮਾ ॥ ਕੁ ਮੁ ਤੁ ਮੁ ਮੁ ਵਿਲੇਟੁ ॥ ਯੇਰੁ ਕੁ
ਰਾ ਪਿੰ ਪੁਨੁ ਮੇ ॥ ਸੁ ਕੁ ਤੁ ਵਸ ਮਦਮਾ ਪਿੰ ॥ ਚੇ ਚੇ ॥ ਤਿਥੁ ਰਿਚੁ ਵਿ
ਰਾ ਪਿੰ ਬਰ ਬਾਗੁ ਵਲਿਤੁ ਮਦਮਾ ਗੰ ॥ ਤੁਥਾ ਪਿੰ ਲੇ ਲੇ ॥ ॥

५॥ मम विंगल गल मम उल दगि पगि प' कपे मल' वा' ॥ विल' मः
५॥ मग' ती' ति' क' ठ' जः ॥ द्वि' ती' य' ती' ए' द' ग' थं' म' ग' अं' ती' ए' उ' म' द' ॥
य' वि' ते' उ' व' क' म' ग' ए' म' प' रं' म' इ' द' रं' रि' क' लं' उ' द' र' म' उ' मि' इ' व' ति' वि
ग' ल' क' सि' वि' प' सि' रु' वि ॥ सु' ए' रं' प्र' ति' प' व' म' इ' उ' प' म' य' की' उ' य' उ'
द्वि' एः ५॥ म' म' ५॥ व' म' म' ५॥ वि' उं' ती' इ' म' ग' ति' इ' ट' म' ॥ ॥ ॥ द'
वि' ते' म' क' ल' क' ल' क' ल' य' म' पि' म' म' उ' म' उ' प' ठ' ग' व' ति ॥ य' उ' व'
ठ' ग' व' ट' ॥ म' प' रं' द्वि' ती' यं' म' इ' द' रं' क' म' ग' ए' क' म' ग' ए' र' म' ए' र'
नी' क' र' उ' प' ॥ उ' म' पि' कि' उ' प' रि' क' लं' सु' इ' क' टि' प्र' यं' उ' म' ती' ए' म' म' म'

उमिति॥ इवि पावे हं कश्चिमेव विरलै वणे विमहा लुवेति विरली
उविमथयति॥ प्रमिद्रुवीएभपिविरलै ररा मीतिकषनकवरिम
भा कुतभा॥ विक्कलं निज उक कपल कप द्वां उं वं उतिमिद्रुभा॥ अ
प्रपमिद्रिमप्रथगाउं रं द भा प्रयाहृत्तरे एयभा॥ रं रु सं म गी ए द
गं विरल पववेति॥ यतः॥ मउ प्र ए यत मुः म द म प्र म प डि उतः॥ व
ऊ मउ म द म प्र म उ रु व ति व प व उ ति व म रा ग॥ अ प्र व द र म
ऊ प क म द॥ सु ए प मि ति॥ य म इ द रं प्र ति प व म भा वं म्भुं यं
व॥ म उ उ प म र म व द्वा द रं ए रं रु प्र उ की ड यतः॥ कष यत म्भुं

उरुनेनाएउरुतःविष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 प्रमृष्टयितं॥प्रमृष्टःविष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 मृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम॥यमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 प्रमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम॥यमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 उरुतः॥विष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम॥यमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 यमृष्टः॥विष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम॥यमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 विष्टः॥विष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम॥यमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम
 ०प्रमृष्टः॥विष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम॥यमृष्टःशुद्धःप्रमृष्टकषरान्तरप्रवाम

उरुधलं ॥ सुप्रभितिकुषनेअकरपीड उमिदभठरा विमदुअ
पतिउमितिमिउमउहजलिउअपरलिकमीनदुनः ॥ रंकरउ
पम'अउतीएव' ॥ म'हमउपु'मगअजीभाएव' जीलभहंदिउं
मवम'भस्रम' ॥ उहव' ॥ यापह'तिनम'कुउय'कुउम'प'पुति ॥
देहाप'अक'दाजीकिं'प'सु'मि'भ'द्र'द्रः ॥ पउ'अ'भू'म'य'व'द्र'द्रः
अ'ह'पि'प'व'प'य'र'म'भ'अ'उं'मि'ति'अ'ह'र'भ'स्र'ग'य'ति ॥
मि'क'मि'ति'व'उ'रुः ॥ अ'जी'य'वी'ए'पि'वि'म'ध'अ'या'त्र'प'र'स'भ'द ॥
य'अ'ह'व'म'भ'अ'प'क'डि'क'र'ल'रु'पु'प'र'व'व'ए'भ'अ'जी'य'उ'अ'द'भ'मि ॥

49

इवमनमुपकं कभा ॥ श्री एं भकः ॥ मदि ॥ कल ॥ म्मा ॥ कः ॥
पविमन ॥ उह मि ॥ मं ॥ ल ॥ न ॥ म ॥ क ॥ ज ॥ उ ॥ उ ॥ ॥ उ ॥ उ ॥ म ॥
पूठ वं ॥ ए ॥ उ ॥ म ॥ पु ॥ द ॥ ॥ ए ॥ च ॥ पि ॥ व ॥ न ॥ व ॥ ले ॥ पि ॥ म ॥ भ ॥ उ ॥ न ॥ म ॥ म ॥ म ॥
व ॥ ग ॥ उ ॥ म ॥ लि ॥ उ ॥ ॥ ए ॥ उ ॥ व ॥ वि ॥ छि ॥ उ ॥ य ॥ न ॥ व ॥ उ ॥ ॥ ए ॥ उ ॥ ए ॥ ल ॥ म ॥ म ॥ य ॥ म ॥ उ ॥
उ ॥ उ ॥ ॥ म ॥ म ॥ रि ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥
म ॥ म ॥ अ ॥ पि ॥ न ॥ ए ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥
उ ॥ न ॥ ए ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥ उ ॥
म ॥ य ॥ म ॥ मि ॥ प्र ॥ य ॥ ॥ म ॥ व ॥ कि ॥ ल ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥ म ॥

श्रीः

वृद्धवयिगिरिपुत्रावृद्धिनीति॥ ठवेममपुत्रांभरभुतनीएड
मल्लनभद्रपदकमिडियुकेटयः॥ पतुडवभुपकभाद॥ गौगिरि
नोमगिरिवरुं वडउ॥ भुनेमपमयम्वेवएकुभाविधोगिरि॥ वि
रायकएलेनेउगैमचः परिकीडिउ डहनकऊवमराग॥ भगैमचः
यगएनंविनमिहिमः॥ उतउपरिहवमिहरे॥ डमभोरिडिनीएक
नंयगएवउभमएपादिप्रियंविगपिठलनीहवडिहएणं
यभा॥ अमिचमदुयेपिपकभंवनीएपमभुजमिडिपौरमकुभास
दभा॥ यः अउवपीडइमविमनंभरभुगमिकनीएभिउगइमवि

श्रीः
प

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

॥ ५ ॥ वेमेषः पट्टदः ॥ किं विमिषुवी एंमहस्रं वृहस्रं ॥ भदवृहस्रं
 ॥ नवउउमहस्रं ॥ नविहउउहस्रं यउउमहस्रं माकेवलश्च
 ॥ मयं ॥ उउः ममदग्द्रुः ॥ उउमहस्रं भल'भ यउपमहस्रं मा
 ॥ पल्लं ॥ उउिजी एपमनि ॥ पउउपिगदहउपा निह्लयानि ॥ यमदहि
 ॥ पगभापः ॥ मिवाधुभं केवलभाद्रिजी एभं कंठगष्टाधुमवी एभउग ॥ प
 ॥ मिवाउं कषिउ दिवत्तं भहउ विहउ गुमवकुगष्टा ॥ उष' कुटमुभ
 ॥ उक' ॥ मयं ग एंगी एंयष ॥ द्रै' ड्रु' द्रैः भदठै र्है रं भः ॥ पउउ' कु' उं ग
 ॥ मम' मम' नक' दुरै' मइलि ॥ पिह' व' उ' उ' न' म' प' रि' व' उ' क' उ' उ' प' प' उ' उ'

५४

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

कमलें गां पं पा पं मं ऊं शी व म् मं ॥ ये त्रु ते म् मं भि म् मं नि ट म् मं ॥ म
पं ॥ लं ह वि रं वि ढ लं नि ड ग् गे हं हं य नि ॥ अ त ए वें कं ॥ पं य क म
मं पं हं ड ति ॥ ये व म् मं क म् मं पं धि कं मु म् मं व मि नि म् मं म् मं म् मं म् मं
मं म् मं म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं
उ ॥ उ म् मं ह्मि पुं व ड म् मं ॥ अ व प् म् मं उ म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं
मं म् मं म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं क म् मं
ल क म् मं व म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं
मं कि म् मं वि म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं म् मं

व प्रभु कर विन्नी श्रि जी ये सदा भ करे ॥ अरु यम मं च ए वि रु य म ॥
ग दों ॥ उष म दि ॥ पा ॥ भ द द भ र ए पा प म ल न व ड ड यं उ म ॥
श्रि जी ये म म दि ॥ करे वा म न प म ल क रं क वि रु व ल द्वा व ठ व ह म
व म न द ल लि उं ॥ प म म म उ म प ध प व ल डं दे म म दे म उः ॥ ये ५
म प म न म मि उ सु ड न मी ल य ति न ग प य ति ॥ उं धं उ उः क वि रु व ड
म म प दि ॥ दि क वि रु म डि रि ति ॥ प म उ म व वि म प य न ॥ उ ड
मं ति ॥ उ ड म वि क म मि उं य म व र एं क म ल उ ड प इ उ ड क उं सु रु ड
गु ॥ व ल के य न इ रु यो म ग वि प म प य प्र रु क ति सु य सु ल क

ॐ वंमालभ ॥ प्रमत्ररुधुभिडिप्रममठिभापीठवलि ॥ यदु
 ॐ ममभापिमनिंहीउपलणवलंापम ॥ सिउभ ॥ ॐ निममभि
 लाउगउभ ॥ मुमियादे ॥ ॐ मउकुएव ॥ गगवउः प्रमुकठयम
 गदाभालवरमवहृगृकरहृयुऊभा ॥ ॐ वंकुठगवठीक विहमिहू
 येष्टेतिवडः ॥ निरङ्गमवक्रादमऊयेविमेधेपमेमभाद ॥ ॥ येड
 थाङ्ग ॥ प्रङ्गीकपटलम ॥ ॐ निगमप्रठमिहृतीभमउहृवेतिवमिमे
 एयतिप्रविभ्रुऊभा ॥ ॐ ममउंविहृट्टट्टरपमविदातिवइव
 एउधं ॥ ॐ विहृउमीभममिहृलैललैलमिहृ ॥ ॥ देठगतिपाङ्गप

श्री
 ५९

ॐ श्री कृष्ण एतन्मया ध्यातुं शक्यं ॥ श्रुतं कर्म लक्षणं मिमीक्ष्य भवेत्तु कृति
गण्यमेव सिद्धिर्भवेत्तु कर्मिणोऽपि श्रुतिं भवेत्तु कर्मिणोऽपि श्रुतिं
भवेत्तु कर्मिणोऽपि श्रुतिं भवेत्तु कर्मिणोऽपि श्रुतिं ॥ इत्येवमप्युच्यते ॥
मम उक्तं कर्मिणोऽपि श्रुतिं भवेत्तु कर्मिणोऽपि श्रुतिं ॥ किं तु पाविकं एतद्
मम ॥ विकल्पं तु मम ॥ एतन्मया ध्यातुं शक्यं ॥ पदं भवेत्तु
निधमं विवर्तय ॥ यत्तु मम मम लक्षणं लक्षणं विवर्तय ॥
दन्त्या गीतं लक्षणं ॥ कर्म भवेत्तु ॥ कर्म लक्षणं लक्षणं ॥
गीतं लक्षणं लक्षणं ॥ यत्तु मम मम लक्षणं लक्षणं ॥

श्री
५३

ॐ॥ वा॥ म॥ ए॥ न॥ ट॥ म॥ न॥ मः॥ प॥ क॥ ग॥ मि॥ त्तः॥ ॐ॥ भं॥ टं॥ मि॥ च॥ प्र॥ ह॥ पि॥ दि॥
उं॥ प॥ सु॥ ति॥ पर॥ भ॥ क॥ सं॥ मि॥ त्त॥ ग॥ र॥ प॥ ए॥ ल॥ ट॥ पुं॥ ए॥ न॥ क॥ सु॥ प्र॥ ह॥ वा॥ मि॥
र॥ व॥ ल॥ क॥ य॥ ति॥ उ॥ ची॥ म॥ य॥ व॥ क॥ म॥ प्र॥ मु॥ म॥ य॥ मि॥ ग॥ ल॥ ल॥ क॥ क॥
इ॥ व॥ रि॥ च॥ म॥ उ॥ ग॥ मि॥ व॥ य॥ प्र॥ न॥ प॥ वा॥ वा॥ म॥ ए॥ न॥ ट॥ म॥ न॥ म॥ ए॥ या॥ ति॥ म॥ य॥ न॥ ट॥ म॥
न॥ म॥ उ॥ ति॥ प॥ म॥ न॥ क॥ य॥ इ॥ पि॥ न॥ म॥ न॥ क॥ म॥ लि॥ ट॥ ये॥ न॥ प्र॥ ये॥ ह॥ म॥ उ॥ धं॥ क॥ मे॥
क॥ ग॥ मि॥ क॥ न॥ म॥ न॥ म॥ न॥ ल॥ क॥ उ॥ क॥ न॥ य॥ ति॥ पी॥ ति॥ त्तः॥ इ॥ म॥ उ॥ ग॥ न॥ व॥ न॥ क॥ न॥
मः॥ मि॥ ये॥ न॥ यि॥ क॥ व॥ सु॥ क॥ व॥ ति॥ ग॥ ग॥ प॥ र॥ व॥ म॥ ए॥ य॥ ते॥ श्री॥ क॥ ग॥ व॥ जी॥ न॥ प॥
उ॥ ए॥ न॥ म॥ न॥ पि॥ न॥ क॥ प॥ र॥ क॥ ह॥ म॥ न॥ म॥ इ॥ ति॥ म॥ जि॥ व॥ सु॥ क॥ न॥ ति॥ त्तः॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

10

श्री प्रथमः पत्रः ॥ उवाच विष्णुः परब्रह्मवर्णि उपासकः परमः कृत्ति उ
मः ॥ वक्रवः ॥ मेयं मन्त्रे पि प्रभादे मयं भुञ्जते ॥ अथ एषः पुनः तिरा भुव
पादक मल नमः कर मं भुजः प्रकवेयं ॥ किल येन इन्द्राणां नमः नृपः च
भावे पि यमः भद्रादेक नमः नयक भुजः कटि उट मयः पुपः दे ए उ ॥ म
स्त्रि उं प्रचक्रे जगत्त गवती कुपा नष्ट नमः भुव प्रकवा तिमयः ॥ उ उरि
वः ॥ उगवष्ट पत्र प्रमः दष्ट भद्र ॥ ॥ मन्त्रि इन्द्राणां नृपः एव न विष्णु
विन्नी मलेष्ट नमः इष्ट नृक कटि ठिः परिमयं ये धनं नृणां प्रकः ॥
उमः भुजः ममः कृपा पत्र लि स मी वक्र भद्र कि उै लयं उ प सि वी कृणः

कषाभिराभेरापुठैः पालि ठिः ॥ ॥ ॥ देमडिकेपनेठगवति ॥ वच्चर ॥
 धुएचरदंडेउवपायकभलप्रएऊयेधंपुनधा ॥ कगदमुविन्नीम
 नील्लभररुएकककेएठिः विन्नुपइइएरलनकककगैः परिम
 यंभभकंरएगुत्रगतः ॥ उधुभंमः मकाकुममरुमापजलिमम्रीव
 मभमुद्विठैः एउल्लद ॥ लद्विठैरभेरापुठैः ॥ पालि ठिः कभलकेम
 लैः ॥ एरुपलविठः पविचीडुएररेरुः कषभिरएगुते ॥ यम्रीदलप
 इकभलएकुगकमिपइठगवतीरचयति ॥ उकषंयषेउल्लद ॥ ए
 नैठवतीइरुः ॥ उइमकेगदमापएरः जलियंवरुभा ॥ म्रीवइः मरुव

श्री.
 ०४

उद्गमयमिदं भा॥ अङ्गु ममरु मङ्गुः प्रमिदुः॥ पञ्च निमलकः प्रवि
भातुर्गुं भगभैव रुवति॥ यद्गु भद्रिके॥ पद्मवद्गु मङ्गु इमद्गु मङ्गु म
यभषा॥ पालि पद्मे मम सुते यद्गु भौ श्री पतिः प्रभातिदु मिद्गु यद्गु
पद्म प्रसम विरग प्रोद्गु मभद्रिः॥ यद्गु मभद्रमेव प्रोद्गु॥ प्रणम्य वि
लङ्गण भद्रिकदे॥ मभद्रमः॥ ७ तिर प्रसवलितं भौ प्रमिदि॥ प्रथम
कट्टे पिठं॥ रसम भौ प्रमत्रं॥ रभप्यगु मठगवती रौद्गु मङ्गु
पद्म रमिदिक दृङ्गः॥ प्रसकल भद्रा दे मत्र द प्रमिदल मभद्र॥॥
विप्रः क्षौलिकु रौ विमभु मित्र रौद्गु मभद्रा भवेत्तुं दे विदिप्रगे गप

गभयोभतुह प्रसविते॥ यांयां प्रजयंतु भनभ्मिगुगि योगे भंउपवप्रवं
कुंमिभिभिभराप्रवतिउमभाविप्रैगविप्र्रीकृत॥॥॥ देदेवित्रिप्रगेवि
पःवदः॥ कौलिउणःकहियाःविसेवैष्टाभुमिउगे॥ सुहःप्रभीम
उवळःपगपगकलभयीपगमीरवामीरवभुभभयीइंठगवशी
प्रएविणैप्रसवभगे॥ ह्रीगहभमभवेःभतुहमउदगुंरुमे॥ सुगु
पगभहिकेकगमेःप्री॥ यिदप्रीतिभजुहैरुद॥ कहियमय
मुगभगलेरविप्रैगविप्र्रीकृत॥ उपसुवैरगापिउभभुमुंतांभनी
पिउवष्टादधिगहदिकंमिभिभप्रवतिलठउ॥ यांयांमिभिभिभ्र

ਭਯੋਂ ਤੇ ਭਯੋਂ ਕੇ ॥ ਪਿਯੰਤੋਂ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਸਿਤੰ ਸਿਤੰ ਭਯੋਂ
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥
ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥ ਭਯੋਂ ਭਯੋਂ ॥

रिक् चुभट्टेदा ॥ भइं सुठं वल्लद ॥ सच्चामिकं विमययतुः ॥ प्रल
 द्वातिपदतं मदि ॥ ठगभुमपिदगुमीं सुलकं सुलकं यदुति ॥
 ॐ धोप्रीठठगवतीभवमिदिं मं पादयति ॥ मयिप्रतिप्रमइच्चायं मा
 भरेष्टेति लपठभाएष्टवदभुतिरल्लमिभं तं रैव रिधुभा ॥ यल्लम
 मिभं मणउविश्वेदेवमउदभामयतु मेमिति ॥ प्रतिप्रतिविभुगदु
 धुपुनभापाएयउति यउठः ॥ ठगवट्टपवभववाइयं मेवठभय
 इभा ॥ ॥ ॥ मच्चं राहनीडभइउवनवाग्वा ॥ मनीइष्टुमं वउः क
 मचवभवप्रहउयेष्टाविठवतिप्रवभा ॥ लीयतेपल्लयइकल्लवि

भवद्भयमयः पृथ्वीभादकमिन्द्रायेतुपुपमदिभामजिः परमाय
मे॥॥ देविपुत्रेश्वरुतवनेमउद्रमद्रकमवनांतुमयौगिकलौकिक
मिठंम मित्रंनंनंआणनयिई॥ अउवगवागिनीतिइमवैपुमकह
म॥ वासवालीचमहचंमीलेतिइयउः॥ पुतवउमचमाभुलिइपु
गतएवप्रामद्रुताविष्टेयानि॥ नरयषावाडूरांतमिहृनमभापत्र
मिउगइवमंमिउतिभ्रमति॥ यषाकभंमद्रदिहंमंमंतउतिमि
अउवैममिद्रउष्टक॥ कवृल्लमैलहृगमिमभुलिठगरेअ
कुपाष्टेरे॥ अउसुप्रवनिमिउंकेमववाभवप्रहउयेदगिदार्

अथभाषाः॥७॥ अथभवन् ऊर्वेयमिनिचडिवाद्यीभारभाषाञ्च
वभुडः प्राकृवति॥८॥ गवहः भकसामवेयुडुते॥ अथीद्वेय॥ यउ
मभिकृष्टिचडिपालरमवरीरायागमि॥९॥ उउदेवविपेयकमालि
राम॥१०॥ ठवहः गवहः॥११॥ उषाकल्पविगुहयकलेतेपिबुद्धमय
रागमृडिभिडिरमदाभावेयडुठगवहंलीयते॥ यगाउदिम
वमृडुहृष्टागप्रलयलीलयाउर्वेवाऊंमंरंग॥१२॥ भवेपिदिदेवम
दभाषाउपंदाभवात्रप्रविमति॥१३॥ उपभंदगमदभाडंदिपुगकमि
मविचमरीयाअमिहउपमदिममलहाउपपमभाअजिनीय

मे॥ परमामक्तिः कष्टमे॥ नरमजैः पिमिवद्रकवडत्रामेउतु
प्रपिरामः प्रामिवटतिरिजयाः मजैत्रामः परमाममयह
यद्रुजभा॥ मिवमतिदिमलावडउतयद्रए॥ उमपके॥ उ
त्रामिकतिमिवाय॥ वि॥ विलउद्रउके॥ उतिगद्रुजः॥ गहि
रतिरामप्रहयेरमवइयाद्रकवमुगंठगवहममुप्रमद॥ ॥
देवागंतिउयंइयीद्रउंइंमजिइयंइधगमुउंइपमीहिध
कुगमवेइवद्रवल्मइय॥ यद्धिस्त्रिगतिइणरियमिउंयउ
इवनद्रकंउद्रचंइधगेतिरामठगवहचंतिउंउद्रउः॥ ॥ देवागं

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

उव अगभैलै ठिभा॥ अ नमहु पउलकु पं यदिव अलाण अभा
धुअभा लिप्रक भिडे कैलैकः॥ सुदग रिण विमुद्र मिठिठिउ
यः॥ सुअ भव वद अभा भिठिठिउ जीयः॥ उति ईलै ठे सुयभा॥ अथ
पीलैल वरक भउपउ डिगार पी० उपा॥ यदिव गगन नम नमः
पद नमः कभल नमः॥ उति नम इयभा॥ अथ पी डिप्रक गभिठि
मिगैल मयना ठिक भलै ठपं॥ जीऊ इयं वा॥ दिवद्र उपा पिद्र लभा
धुअं उपा॥ यदु अउ नग उचउ भन अन्न प्रकमं॥ ह भयं अम मंउ
प्रम गवुं ठे गेठि वद रिंक इयै वल वद अमय॥ वगुं वं अभा एं

मी कुं वी एं मे ति भुल भव वल इयं । उ म य व व इय ए प मं द ग भा द
 ल कि च्छि मि ति ए ग ति मं भा ग । दि व न इ कं पं मं क क भ कु पं य डि डि
 ले व ड भ नं म ग य ग व उ न व उ कु ल भ कु ल प्प गु रु क णि र के म
 न ग मं सु इ म् म ड ग म् मि वि वि पं र सु डि ण डि किः प्र क गै ति य धि रं
 कु प इ य ए वि व कुं । दे क ग व ति उ कु उः प ग मं कु उः डि प्र ग ति उ कु व न म
 ए य भ व ति श्र व ग सु ति । इ य इ क य क ग म् म नै डि प्र ग ति र भ नु
 न उ डि ति । य व षा पी ० इ यं म् इ इ यं मे वी इ यं मि इ इ य मि ट मि र मि
 उं ग ग म् इः मं कु पं म व मि म मि ति व कु उः ॥ म् ए प्री उ य क नि वि

मि ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ लक्ष्मीगणकले
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ लक्ष्मीगणकले

॥ माण मद्रुम गुरायां ॥ नृहाम द्विपम दुरुणि रक्षम ॥ गण दक्ष
॥ व ॥ प्रप्रनिम जेको मद्रुगीभा ॥ क ॥ उपद्रुजे कुरुगे ॥ विषमभा
॥ नरेन वद्रुजे गे ॥ गिगे पचउ सवरीभा ॥ कुरुपुत गिणमण ॥
॥ उये ममप भित्तु मद्रुके रवी ॥ ह ॥ मेदे सिउ ह ॥ ममति भा ॥ कुरुदिनाम
॥ उये प्रवे एल प्रवे उरं म ॥ एव उउ द्रुद्र एवि भुगति एउरः ॥ उउ
॥ द्रुद्र मद्रुद्रुम यिरी नं मेवी नं एयद्रुपव ॥ व ॥ यण मम द्रुये गुद्रुप्र
॥ मद्रुये व मद्रु उति कुरुद्रु ॥ य ॥ द्रुपि रगवद्रु व क एयः पदयः
॥ उम पिये गिरी मेध विमर गद्रु ॥ क ॥ तिपय नभा ॥ द ॥ ॥ भाया ॥

अलिनीरियाभप्रभती कलीकलभा लिनीभाउली विणयाणाया
वतीदेवीमिवामभवी॥ मतिः मद्रवलुठडिनयरावाव
गवतीकरीतिप्रगपगपगभयीभाउंऊभागीहृषि॥॥ अइम
दसइतिमउंठगवतीरभाविमति॥ उरिमपां० मद्रवप्रमिहृ
उति॥ १५१ः प्रयाभः॥ विमधउमुमउध्विष्टे गिरीरभइकठेपुम
भउंउति॥ उइभायासवभायवीरांहीकरः॥ भालिनीतिभाल
भुहीरांम्रीकरः॥ कलीतिहृमरातेरकमवैरभदितामुलीवाल॥
उरकीमितिमिहृभा॥ विमरुम्राविठगाहृयमंजिजिउ॥ म

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

५३	०३	०४	३
५०	०९	०७	५९
०१	९१	०८	०२
०३	०	९०	९

५३	३	३	९९
९	९५	०४	०७
९२	०	०३	३
९१	०९	९९	००

ऊऊ भगैमगहं लिपिद्व विणिवं ह
 लप्रधगव प्रधमीप भद्र नैवेष्टु दिनिः
 प्रएकद्व सुमो क गृभन अउध
 गिरी भव सपिम पिग भिधदी गभगधि
 यः केलिके लदलगी उरुडं त्रिग ल
 श्रीउम नै क व द ह भग प्रिमवल
 समिवला विकटदी विकट दंडु भंडा
 कमीकाल एद्व अति अद्व भयगप

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

[illegible]

श्री.
७३

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

